

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2010

प्रश्न पत्र-I

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य है। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (अष्टकवर्ग)

1. किन्हीं 2 का उत्तर दें :-

क. समुदय अष्टक वर्ग क्या है? इसका उपयोग बताएं।

ख. कक्षा की परिभाषा दें व उसका ज्योतिष में प्रयोग समझाएं।

ग. सूर्य का प्रस्थार अष्टकवर्ग बनाएं

लग्न : सिंह 14:36, सूर्य : सिंह 3:49, चन्द्र : सिंह 17:08

मंगल : कन्या 01:11, बुध : सिंह 28:33, गुरु : सिंह 12:10

शुक्र : सिंह 18:39, शनि : मिथुन 14:12, राहु : कर्क 04:09

केतु : मकर 04:09

2. प्र. 1 में दी कुण्डली के लिए सर्वाष्टक वर्ग की गणना करें।

3. प्रश्न 1 में दी कुण्डली के लिए त्रिकोण एवं एकाधिपत्य शोधन करें?

4. क. क्या अष्टक वर्ग भाव कुण्डली या राशि कुण्डली पर आधारित होना चाहिए व क्यों?

ख. त्रिकोण एवं एकाधिपत्य शोधन के उपयोग बताएं।

ग. भिन्नाष्टक वर्ग के उपयोग बताएं।

5. अष्टक वर्ग के आधार पर आप आयु का निर्धारण किस प्रकार करते हैं उदाहरण सहित समझाएं?

भाग-II (प्रश्न ज्योतिष)

6. क. प्रश्न ज्योतिष का क्या आधार है?

ख. एक जातक ने ज्योतिषी से अपनी नौकरी में तबादले के विषय में प्रश्न किया।

निम्न प्रश्न कुण्डली का अध्ययन कर कारण सहित उत्तर दें :-

i) क्या जातक का तबादला होगा?

ii) क्या यह जातक के लिए शुभ होगा?

iii) क्या इस स्थानान्तरण से निवास परिवर्तन करना पड़ेगा?

(15.11.2009, 6.10 सांय, दिल्ली)

लग्न : वृषभ 12:09, सूर्य : तुला 29:17, चन्द्र : तुला 13:54

मंगल : कर्क 18:55, बुध : वृश्चिक 05:14, गुरु : मकर 24:58

शुक्र : तुला 15:24, शनि : कन्या 07:41

राहु : धनु 28:55, केतु : मिथुन 28:55

7. किन्हीं दो का उत्तर दें :-
 क. 1, 4, 7 एवं 10 वें भावों का स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रश्न में क्या महत्त्व है?
 ख. ज्योतिषी यह कैसे जानेगा कि कोई वस्तु चोरी हुई है या गुम हुई है? उदाहरण सहित समझाएं
 ग. प्रश्न कुंडली की क्या सीमाएं हैं?
8. किन्हीं तीन का उत्तर दें :-
 क. प्रश्न ज्योतिष में शकुन का क्या कोई महत्त्व है?
 ख. किसी प्रश्न के सकारात्मक उत्तर के लिए एक योग बताएं?
 ग. किसी प्रश्न के नकारात्मक उत्तर के लिए एक योग बताएं?
 घ. प्रश्न ज्योतिष में किस दृष्टि का महत्त्व है - ताजिक अथवा पराशरी?
9. एक वृद्ध पुरुष अपनी 28 वर्ष की अविवहित पुत्री के विवाह के संदर्भ में प्रश्न के उद्देश्य से ज्योतिष के पास गए। उन्होंने ज्योतिष से पूछा कि विवाह की क्या संभावना है, यदि हाँ तो कब तक, एवं भावी पति किस आधार के होंगे :-
 (12.05.2010, 16.00 बजे, दिल्ली)
 लग्न : कन्या 19:01, सूर्य : मेष 27:36, चन्द्र : मेष 07:59,
 मंगल : कर्क 23:24, बुध : मेष 08:40, गुरु : मीन 01:59,
 शुक्र : वृषभ 26:51, शनि (व) : कन्या 04:07
 राहु : धनु 19:10, केतु : मिथुन 19:10
10. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-
 क. इशाराफ योग
 ख. रद्द योग
 ग. भविष्यत् व राशियान्तर् इत्थसाल में अन्तर
 घ. प्रश्न ज्योतिष में लग्न का उपयोग

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2010

प्रश्न पत्र-II

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य है। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (षडबल)

1. निम्न का उत्तर दें :-

- i) शनि का उच्चबल कितना होगा यदि वह 110 अंश पर स्थित है?
- ii) सम राशि स्थित ग्रह को ----- षष्ट्यांश का सप्तवर्गीय बल प्राप्त होता है।
- iii) उच्च के वर्गोत्तम गुरु को ----- षष्ट्यांश का युग्मयुग्म बल प्राप्त होता है।
- iv) एक जन्मांग में बुध तीसरे भाव में वृषभ राशि में 17 अंश पर स्थित है। उसे कितना द्रेष्कोण बल प्राप्त होगा?
- v) यदि किसी जातक का जन्म मध्य रात्रि में होता है तो मंगल ग्रह को ----- षष्ट्यांश का नतोन्नत बल प्राप्त होता है।
- vi) होरा अधिपति को वर्ष अधिपति से कम बल प्राप्त होता है
- vii) अधिकतम चेष्टा बल प्राप्त करने के लिए किसी ग्रह की पृथ्वी के संदर्भ में स्थिति कहाँ होनी चाहिए?
- viii) ग्यारहवें भाव मध्य यदि वृषभ राशि में पड़ता हो तो कितना भाव दिग्बल प्राप्त होगा?
- xi) यदि नौवा भाव मध्य जलचर राशि में स्थित हो तो कितना भाव दिग्बल प्राप्त होगा?
- x) यदि गुरु चंद्रमा से 120 अंश पर स्थित है तो गुरु का चंद्रमा पर कितना दिक् बल होगा?

2. निम्न जन्मांग के आधार पर निम्न की गणना करें :-

जन्म तिथि 1.12.1973, 20.25 घंटे, दिल्ली

लग्न : मिथुन 28:33, सूर्य : वृश्चिक 15:47, चन्द्र : मकर 29:28,

मंगल : मेष 02:01, बुध : तुला 26:29, गुरु : मकर 14:54,

शुक्र : मकर 01:30, शनि (व) : मिथुन 09:28, राहु : धनु 05:13,

केतु : मिथुन 05:13

- i) सूर्य के उच्चबल की गणना करें।
- ii) बुध के युग्म युग्म बल की गणना करें।
- iii) चंद्रमा के पक्ष बल की गणना करें।
- iv) मंगल के केन्द्र बल की गणना करें।
- v) गुरु के द्रेष्कोण बल की गणना करें।

3. भाव बल के कौन-कौन से भाग है? प्रश्न दो में दिए जन्मांग के लिए भाव दिग्बल की गणना करे (राशि मध्य को भाव मध्य ही माने)।

4. इष्टफल व कष्टफल का दशा/अन्तरदशा फलादेश में किस प्रकार प्रयोग होता है?
5. निम्न में किन्हीं 3 पर टिप्पणी लिखें :-
- भाव दिग्बल
 - ग्रह दिग्बल
 - अयन बल
 - चेष्टा बल

भाग-II (भाव निर्णय)

6. किन्हीं दो का उत्तर दे :-
- राशि कुण्डली व भाव कुण्डली में अंतर बताएं। क्या आप मात्र भाव कुण्डली पर आधारित रह सकते हैं।
 - पंचम भाव स्थित गुरु के क्या परिणाम होंगे यदि वह उच्च, नीच, मूल त्रिकोण या स्वराशि में स्थित हो?
 - षष्ठम, अष्टम और द्वादश भावों की महत्ता पर चर्चा करें।
7. निम्न जन्माग के सप्ताश और दशाशं कुण्डली का विवेचन करें :-
- लग्न : तुला 4:46, सूर्य : मीन 13:11, चन्द्र : कुम्भ 5:45,
मंगल : मकर 17:28, बुध : मीन 20:25, गुरु : तुला 20:53,
शुक्र : मेष 11:48, शनि : मेष 12:49, राहु : मेष 17:33
केतु : तुला 17:33
8. निम्न घटनाओं को जमांग से किस प्रकार देखते हैं :-
- धन लाभ
 - दुर्घटनाएँ
 - विद्यार्जन में रुकावट
 - संतानहीनता
 - बहुविवाह
9. निम्न कुण्डली का अध्ययन कर कारण सहित समझाएं :-
- दशम भाव चर्चा करें। जातक को कार्य क्षेत्र में क्या उपलब्धि प्राप्त हुई होगी?
 - क्या जातक अपने जन्म स्थान पर अथवा विदेश में जाकर बस गया है?
- 5.5.1916, 5.30 प्रातः, फरीकोट, दशा शेष : मंगल 6 व 4 मा 22 दि.
लग्न : मिथुन 6:26, सूर्य : मेष 21:35, चन्द्र : वृष 24:29,
मंगल : कर्क 27:12, बुध : वृष 11:09, गुरु : मीन 26:48,
शुक्र : मिथुन 6:40, शनि : मिथुन 19:26,
राहु : मकर 9:23, केतु : कर्क 9:23
10. प्रत्येक षोडश वर्ग से किन विषयों पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है? इन वर्ग कुण्डलियों से विभिन्न भावों के फलादेशों में किस प्रकार मदद मिलती है? क्या मात्र इन्हें प्रयोग किया जा सकता है?

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2010

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (आयुर्दाय)

1. किन्हीं दो का उत्तर दें :-
क. आयुस्थान व मारक स्थान में अंतर बताएं।
ख. दशाओं का आयुर्दाय पर क्या प्रभाव पड़ता है?
ग. बालारिष्ट पर चर्चा करें।
2. निम्न कुण्डली के लिए पिंडायु की गणना करें :-
(09.07.1955, 12:20 बजे, अमरोहा, उत्तर प्रदेश)
लग्न : कन्या 22:02, सूर्य : मिथुन 23:04, चन्द्र : कुंभ 09:15
मंगल : कर्क 05:25, बुध : मिथुन 02:06, गुरु : कर्क 12:10
शुक्र : मिथुन 08:19, शनि (व) : तुला 21:21, राहु : धनु 03:15
केतु : मिथुन 03:15
3. निम्न के कुछ योग बताएं :-
क. मध्यायु
ख. अरिष्ट भंग योग
4. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त में लिखें :-
क. क्रुरोदय हरण
ख. निसर्ग आयु
ग. दिन मृत्यु
घ. खर ग्रह
5. क्या ज्योतिषी मृत्यु के समय का निर्धारण कर सकता है? यदि हाँ तो किन तथ्यों के आधार पर, चर्चा करें।

भाग-II (चिकित्सा ज्योतिष)

6. क. चिकित्सा ज्योतिष में द्रष्टाकाण का क्या उपयोग है?
ख. चिकित्सा ज्योतिष में दुख स्थानों का क्या प्रभाव है?
7. रोग का समय जाननेके ज्योतिषीय नियम क्या हैं? आप रोग की गंभीरता व अवधि का निर्धारण किस प्रकार करेंगे?
8. निम्न के योग लिखें :-
i) मोटापा
ii) अन्धापन
iii) कोढ़
iv) मिर्गी
v) पेट में जलन

9. निम्न कुण्डली का अध्ययन कर यह निर्धारण करे कि जातक को किस प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने की संभावना है?

16.03.1974, 01:25 घण्टे, दिल्ली, दशा शेष : केतु 06व 01मा 19दि.

लग्न : धनु 02:13, सूर्य : मीन 01:21, चन्द्र : धनु 01:38,

मंगल : वृषभ 15:43, बुध : कुंभ 5:17, गुरु : कुंभ 08:12,

शुक्र : मकर 16:39, शनि : मिथुन 04:34, राहु : धनु 00:18

केतु : मिथुन 00:18

10. किन्हीं दो पर संक्षिप्त में लिखें :-

i) 22वाँ द्रष्टाण

ii) 64वाँ नवांश

iii) अच्छे स्वास्थ्य के संकेत

iv) हृदय रोग के संकेत

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2010

प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (दशा पद्धति)

1. निम्न घटनाओं का फलादेश आप किस प्रकार करेंगे? (किन्हीं दो का उत्तर दें)
क. पदोन्नति
ख. निवास परिवर्तन
ग. संतान का जन्म
2. निम्न कुण्डली का अध्ययन कर बुध महादशा में बुध, केतु एवं शुक्र की अंतरदशा पर चर्चा करें।
12.05.1968, 20:50 घण्टे, दिल्ली, दशा शेष - गुरु 4व, 2मा, 0दि।
लग्न : वृश्चिक 22:16, सूर्य : मेष 28:32, चन्द्र : तुला 29:51
मंगल : वृषभ 7:23, बुध : वृषभ 16:56, गुरु : सिंह 03:03,
शुक्र : मेष 18:04, शनि : मीन 26:31, राहु : मीन 23:34,
केतु : कन्या 23:34
3. क. प्रश्न 2 की कुण्डली के लिए योगिनी महादशा का प्रथम चक्र बनाए?
ख. इस योगिनी महादशा के प्रथम चक्र का फलादेश करें?
4. निम्न कुण्डली का अध्ययन करे व बताएं कि इस जातक की नौकरी कब लगी होगी, कब विवाह हुआ होगा व कब विदेश गया होगा? इन घटनाओं के लिए संभावित महादशा एवम् अंतरदशा कारण सहित बताएं?
23.3.1959, 12:37 बजे, गोरखपुर, दशा शेष : शुक्र 13व 4मा 22दि
लग्न : मिथुन 26:54, सूर्य : मीन 8:37, चन्द्र : सिंह 17:44,
मंगल : वृषभ 26:46, बुध (व) : मीन 18:56, गुरु (व) : वृश्चिक 08:40
शुक्र : मेष 09:36, शनि : धनु 13:17, राहु : कन्या 19:47,
केतु : मीन 19:47
5. विशोत्तरी दशा पद्धति के मुख्य नियामक नियमों पर विचार प्रकट करें?

भाग-II (गोचर)

6. किन्हीं 2 पर संक्षिप्त में लिखें :-
क. गोचर फल जानने के लिए जन्म राशि के प्रयोग पर अपना मत प्रकट करें?
ख. नक्षत्र गोचर से आप क्या समझते हैं?
ग. सप्तशलाका चक्र पर चर्चा करें?
7. साढ़े साती से आप क्या समझते हैं? तुला राशि के जातक के लिए साढ़े साती के सामान्य फलों पर चर्चा करें?

8. दशा एवं अंतरदशा के फलों पर गोचर के ग्रहों का किस प्रकार प्रभाव पड़ता है? वे कौन सी स्थितियाँ हैं जो विवाह एवं संतान जन्म दर्शाती हैं?
9. मूर्ति निर्णय पद्धति समझाएं? ब्रह्मस्पति ग्रह ने 2 मई 2010 को प्रातः 8:07 बजे मीन राशि में प्रवेश किया, इसके लिए मूर्ति निर्णय की गणना करें। सभी बारह राशियों के लिए इसका फल बताएं।
10. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-
- क. लक्षा के नियम
 - ख. द्विग्रह गोचर
 - ग. दैया / कंटकशनि
 - घ. विपरीत वेध

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2010

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-V

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। हर एक भाग में से अनिवार्य प्रश्नों के अलावा कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य है। सब प्रश्नों का अंक समान है। भाग एक का उत्तर जैमिनीय आधार पर एवं भाग दो पराशरी सिद्धांत के अनुसार उत्तर देना है।

भाग-I (जैमिनी ज्योतिष)

1. निम्न का उत्तर दें :-
 - क. आयुर्दाय के संदर्भ में कक्षा वृद्धि और कक्षा हास पर प्रकाश डालें।
 - ख. जैमिनी सूत्र के अनुसार कोई जन्मांग अल्पायु, मध्यायु व दीर्घायु कैसे दर्शाता है?
 - ग. यदि एक जन्मांग दीर्घायु दिखाता है एवं लग्नेश व अष्टमेष एक राशि में क्रमशः 5 अंश व 8.5 अंश पर है तो जातक की आयु कितनी हो सकती है?
 - घ. स्थिर दशा को आप आयु निर्धारण का समय ज्ञात करने के लिए कैसे प्रयोग करेंगे?
2. निम्न जातक की चर दशा ज्ञात करें तथा उसके वैवाहिक जीवन पर प्रकाश डालें:
09.05.1959, जेवर (भारत), 10:31 घंटे, दशा शेष : 0व. 3मा. 9 दि.
पुरुष
लग्न : कर्क 5:23, सूर्य : मेष 24:33, चन्द्र : वृषभ 9:23;
मंगल : मिथुन 23:12, बुध : मेष 1:5, गुरु (व) वृश्चिक 5:2,
शुक्र : मिथुन 5:3, शनि (व) : धनु 13:21, राहु : कन्या 19:24
केतु : मीन 19:24
3. प्र. 1 की कुण्डली के आधार पर निम्न निर्धारित करें :-
 - क. प्रत्येक भाव के लिए पद लग्न
 - ख. ग्रह व भाव बल
4. सत्य एवं असत्य बताएं :-
 - i) चर दशा की अंतर दशा का क्रम राशि दशा से नवम राशि के आधार पर तय किया जाता है।
 - ii) स्थिर दशा ब्रह्मा से प्रारम्भ होती है।
 - iii) यदि शनि अथवा राहु अथवा केतु ब्रह्मा बन रहा हो तो बृहस्पति ब्रह्मा बन जाता है।
 - iv) यदि आरुढ़ लग्न, होरा लग्न व घटिका लग्न त्रिकोण में हो व लग्न पर दृष्टि डाले तो राज योग बनता है।
 - v) यदि किसी भाव में एक से अधिक ग्रह है तो वह भाव बल खो देता है।
 - vi) चर राशि स्थिर राशि पर दृष्टि डालती है व द्विस्वभाव राशि सभी राशियों पर दृष्टि डालती है।
 - vii) कारकांश से द्वितीय राशि व उसमें स्थित ग्रह जातक का व्यवसाय निर्धारित करते हैं।
 - viii) पहली त्रिकोण दशा लग्न, पंचम व नवम में अधिकतम बली से प्रारम्भ होती है।
 - ix) तीन अथवा तीन से अधिक अशुभ ग्रह किसी राशि में हो तो उस राशि से एकादश में यदि कोई ग्रह हो तो भी अर्गला का निवारण नहीं होता है।
 - x) इन्दु लग्न किसी जन्म पत्रिका में धन सम्पत्ति जानने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

5. उपपद का किसी जातक के सहोदर व संतान की जानकारी के लिए कैसे प्रयोग होता है। इसके लिए निम्न कुण्डली का प्रयोग करें।
 29.10.1955, 11:00 प्रातः, दिल्ली, दशा शेष : शनि - 2व 9मा 21दि, पुरुष
 लग्न : धनु 9:19, सूर्य : तुला 11:46, चन्द्र : मीन 14:42,
 मंगल : कन्या 16 : 51, बुध : कन्या 23:20, गुरु : सिंह 4:32,
 शुक्र : तुला 26:58, शनि : तुला 8:20 राहु : वृश्चिक 24:53,
 केतु : वृषभ 24:53

भाग-II (विवाह एवं मेलापक)

6. निम्न कुण्डली को प्रयोग करते हुए विवाह के समय निर्धारण की विधि पर प्रकाश डालें :-
 17.4.1979, 18:49 घण्टे, पटना, दशा शेष : केतु 4व. 6मा. 21दि., महिला
 लग्न : तुला 10:32, सूर्य : मेष 3:22, चन्द्र : धनु 4:40,
 मंगल : मीन 14:35, बुध : मीन 6:27, गुरु : कर्क 6:13,
 शुक्र : कुंभ 29:41, शनि (व) : सिंह 13:55, राहु : सिंह 23:8
 केतु : कुंभ 23:8
7. क. सिंह लग्न के जातक के लिए सप्तमेष शनि की पंचम, नवम, एकादश एवं लग्न स्थिति का फलादेश करें।
 ख. मेष लग्न के जातक के सप्तमेष की बुध सहित तृतीय, षष्ठम् व अष्टम् भाव में स्थिति का फलादेश करें।
8. क्या निम्न स्थितियों में कुजा दोष होगा :-
 i) मेष लग्न में वृषभ स्थित मंगल
 ii) मिथुन लग्न में चतुर्थ भावस्थ मंगल
 iii) तुला लग्न में अष्टमस्थ मंगल
 iv) वृश्चिक लग्न में अष्टमस्थ मंगल
 v) मीन अथवा धनु लग्न में सप्तमस्थ मंगल
 vi) कुम्भ लग्न में द्वादशस्थ मंगल
 vii) कर्क व सिंह लग्न में द्वितीय भाव में मंगल
 viii) मकर लग्न के लिए चतुर्थस्थ मंगल
 ix) कन्या लग्न के लिए षष्ठम् मंगल
 x) वृषभ लग्न के लिए मंगल किसी भी भाव में
9. निम्न स्थितियों में क्या मेलापक किया जा सकता है :-
 i) महिला की जन्म राशि पुरुष की नवांश राशि से त्रिकोण में
 ii) कर्क लग्न में चन्द्र व शनि सप्तम भाव में
 iii) महिला व पुरुष का जन्म नक्षत्र स्वाति या मृगशिरा हो
 iv) महिला का जन्म नक्षत्र रेवती व पुरुष का मघा
 v) उच्च का शुक्र शुभकर्तरी में
 vi) महिला की जन्म राशि, पुरुष की जन्म राशि से षष्ठम्
 vii) पुरुष का पंचम नपुसंक राशि में व कन्या का एकादश व एकादशेश बली हो
 viii) महिला का नक्षत्र कृत्तिका व पुरुष का भरणी
 ix) महिला व पुरुष का नक्षत्र धनिष्ठा
 ix) पुरुष की जन्म राशि मिथुन व महिला की वृषभ
10. तुला लग्न के जातक के लिए सभी भावेशों का सप्तम स्थिति का फलादेश करें।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2010

प्रश्न पत्र-VI

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (फलादेश की मिश्रित एवं उच्च तकनीक)

1. निम्न पुरुष जातक की कुण्डली के लिए चतुर्विंशति कुण्डली बनाकर उसकी विद्यार्जन के क्षेत्र में उपलब्धि पर चर्चा करें।
14.9.1954, 2:04 प्रातः, नागपुर, दशा शेष - शनि 7व 9मा 11दि.
लग्न : कर्क 3:06, सूर्य : सिंह 27:17, चन्द्र : मीन 11:13,
मंगल : धनु 15:04 बुध : कन्या 15:32, गुरु : कर्क 0:44,
शुक्र : तुला 13:12, शनि : तुला 13:01, राहु : धनु 19:01,
केतु : मिथुन 19:01
2. क. बहु विवाह के कुछ योग बताएँ।
ख. निम्न कुण्डली का अध्ययन कर यह बताएं कि उनके एक से अधिक विवाह को सकते हैं :-
28.05.1923, 16:43 घण्टे, विजयवाड़ा, दशा शेष : राहु 1व 7मा 4दि, पुरुष
लग्न : तुला 18:51, सूर्य : वृषभ 13:19, चन्द्र : तुला 18:49,
मंगल : मिथुन 5:37, बुध (व) : वृषभ 14:18, गुरु (व) : तुला 18:32
शुक्र : मेष 15:27, शनि (व) : कन्या 20:52, राहु : सिंह 24:24,
केतु : कुम्भ 24:24
3. क. निम्न कुण्डली का अध्ययन कर जातक का व्यवसाय बताएं।
ख. क्या वे अपने व्यवसाय में प्रसिद्ध होंगे?
ग. क्या वे धनी होंगे?
24.4.1973, 14:45 घण्टे, 19उ.00, 72पू.48, पुरुष,
शुक्र दशा 2व 0मा. 23दि.
लग्न : सिंह 7:09, सूर्य : मेष 10:32, चन्द्र : धनु 25:17,
मंगल : मकर 26:44, बुध : मीन 16:49, गुरु : मकर 16:35,
शुक्र : मेष 14:20, शनि : वृषभ 24:16, राहु : धनु 16:23,
केतु : मिथुन 16:23
4. किन्हीं दो के ज्योतिषीय योग बताएं :-
क. नौकरी में पदोन्नति
ख. धन हानि
ग. वैवाहिक अनबन

5. प्र.2 के लिए सप्तांश कुण्डली बनाएं व इस जातक के बच्चों का चाल चलन व उनकी सफलताओं पर प्रकाश डालें।

भाग-II (मेदनीय ज्योतिष)

6. क. वर्षा निर्धारण में प्रयोग आने वाली विभिन्न विधियों के बारे में संक्षिप्त में बताएं।
ख. ग्रहण का किसी देश की मेदनीय स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ता है?
7. वर्ष 2010 के लिए आर्द्र प्रवेश कुण्डली बनाएं व इसका मेदनीय ज्योतिष में प्रयोग समझाएं।
8. किन्हीं दो पर संक्षिप्त में लिखे :-
क. बहुमूल्य नगों के मूल्य में वृद्धि के योग
ख. मेदनीय ज्योतिष में कूर्म चक्र का प्रयोग
ग. बाढ़ के योग
9. मेदनीय ज्योतिष में 6,9,10 एवं 11 भावों का क्या महत्व है?
10. क. रेल दुर्घटना के पांच योग लिखें।
ख. 2 जनवरी 2010 को 3:25 बजे प्रातः कानपुर में तीन रेल दुर्घटनाएं हुईं निम्न कुण्डली की मदद से ज्योतिषीय कारण बताएं:-
लग्न : तुला 29:18, सूर्य : धनु 17:22, चन्द्र : कर्क 2:59
मंगल (व) : कर्क 24:39, बुध (व) : धनु 23:59, गुरु : कुंभ 2:32,
शुक्र : धनु 15:00, शनि : कन्या 10:31, राहु : धनु 27:04,
केतु : मिथुन 27:04